

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर नोहर, हनुमानगढ़(राज.)

पीठासीन अधिकारी— संजू पारीक आर.ए.एस.

निगरानी अन्तर्गत धारा 97(1) पंचायतीराज अधिनियम 1994

प्रकरण संख्या—03 / 2026

1. आनन्दप्रकाश पुत्र लिखमाराम जाति जाट निवासी फैंफांना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
2. वेदप्रकाश पुत्र श्री लिखमाराम जाति जाट निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
3. सुभाष गोदारा पुत्र हरिशचन्द्र गोदारा जाति जाट निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।

— आवेदकगण/प्रार्थीगण—

बनाम

1. प्रशासन एवं स्थापना स्थाई समिति पंचायत समिति नोहर हनुमानगढ़ जरिये विकास अधिकारी पंचायत समिति नोहर तहसील नोहर।
2. ग्राम पंचायत फेफाना जरिये सरपंच ग्राम पंचायत फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
3. रविन्द्र भादू पुत्र श्री सुभाषचन्द्र जाति जाट निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
4. सन्दीप कुमार पुत्र श्रीर हजारीलाल जाति ब्राह्मण निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
5. सत्यप्रकाश पुत्र श्री रणजीतसिंह जाति सुथार निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
6. राजेशकुमार पुत्र श्री सीताराम जाति जाट निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
7. बजरंग पुत्र श्री भल्लेराम जाति सुथार निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
8. श्रवणकुमार पुत्र श्री शेरसिंह जाति जाट निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
9. कालूसिंह राजपूत पुत्र श्री कल्याणसिंह जाति राजपूत निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
10. सन्तलाल सुपुत्र श्री इन्द्रजीत हुडडा जाति जाट निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।



अतिरिक्त जिला कलक्टर
नोहर (हनुमानगढ़)

11. मनोजकुमार पुत्र श्री वेदप्रकाश जाति ब्राह्मण निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
12. हरिसिंह पुत्र श्री भिन्याराम जाति जाट निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।
13. श्रवणकुमार पुत्र श्री सोहनलाल जाति जाट निवासी फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़।

— अनावेदकगण/अप्रार्थीगण

उपस्थित:- श्री विजयसिंह कड़वासरा अधिवक्ता प्रार्थी।

श्री रोहिताश सिहाग अधिवक्त अप्रार्थी संख्या-01

श्री रविन्द्र गोदारा अधिवक्ता अप्रार्थी संख्या 3, 5 ता 9, 12, 13

निर्णय

दिनांक:- 21/04/2026

प्रार्थीगण आनन्दप्रकाश पुत्र लिखमाराम, वेदप्रकाश पुत्र लिखमाराम, सुभाष गोदारा पुत्र हरिशचन्द्र निवासीगण फेफाना द्वारा निर्णय दिनांक 29.10.2025 बअदालत प्रशासन एवं स्थापना स्थाई समिति पंचायत समिति नोहर, को अपास्त करवाने बाबत निगरानी पेश की गई है, जिसके संक्षेप में तथ्य निम्न प्रकार है-

1. अपीलांतस अनावेदकगण की तरफ से एक अपील संख्या 97/2025 अनवानी समस्त ग्रामवासी ग्राम फेफाना जरिये प्रतिनिधि रविन्द्र भादु आदि अपीलाट बनाम ग्राम पंचायत फेफाना आदि रेस्पोंडेन्ट आवेदकगण प्रार्थीगण के खिलाफ अपील इस तथ्य के साथ प्रस्तुत की अपीलार्थीगण गांव फेफाना के रहने वाले है। आबादी भूमि फेफाना में 100 वर्षों से भी अधिक समय से बरसाती पानी भण्डारण के लिए मुसानी जोहडी व आर्य समाज जोहड के नाम से दो जोहड स्थित है, उक्त दोनो जोहडो में सदामत से आबादी भूमि का समस्त बरसाती पानी इकट्टा होता रहा है, जो पानी पुराने समय से पीने के व पशुओं के पीने हेतु समस्त ग्रामवासियों के उपयोग उपभोग में आता रहा है तथा उक्त दोनों जोहड में से एक जोहड का माप उतर से दक्षिण 500 फुट व पूर्व से पश्चिम 250 फुट है जिसको वर्तमान में स्वामी दयानन्द पार्क के नाम से जाना जाता है, जिसके उतर में इन्द्रजीत हुडडा व नन्दलाल शर्मा आदि के पुराने मकान दक्षिण में गोपीराम गोदारा, वेदप्रकाश शर्मा आदि के पुराने मकान, पूर्व में इन्द्राज शर्मा, भुराराम धामु, मनीराम पिलानियां आदि के पुराने मकान व पश्चिम में रामप्रताप गोदारा मदन गोदारा, देवसीराम सहारण आदि के पुराने मकान स्थित है। इसी प्रकार दुसरे जोहड का माप उतर से दक्षिण 375 फुट पूर्व से पश्चिम 430 फुट है जिसके आसे पासे दर्ज करते हुए जिसको



मुसानी जोहड के नाम से जाना जाता है चूंकि आबादी भूमि फेफाना हनुमानगढ जिले में गांव की दृष्टि में सबसे बडी आबादी है, ऊपर वर्णित अनुसार सदामत से उक्त दोनो जोहडो में बरसाती पानी इकटठा हो जाने से बरसात के दिनों में पानी भराव नही होने के कारण तथा उक्त पानी का पशुओं व निवासियों के उपयोग में लिया जाता रहा है इसलिये समस्त ग्रामवासी फेफाना ने इन दोनो जोहड से हित जुडे है। इस वर्ष गत दिनांक 30-06-2025 व 31-08-2025 को मानसूनी बरसात होने से गांव में पानी इकटठा हो गया व घरों मे जाने लगा जिस पर अपीलार्थीगण व गांव के अन्य वासिन्दगान द्वारा उक्त बरसाती पानी को ऊपर वर्णित दोनों जोहडो की ओर दिनांक 01.09.2025 को निकालना चाहा तो देखा कि उक्त दोनो जोहडों में जगह जगह मिटटी से भर्ती कर जोहडो की गहराई को कम कर रखा है जिससे उक्त दोनो जोहडो में क्षमतानुसार पानी इकटठा नहीं होने के कारण बरसाती पानी गांव की गलियों व घरों में घुस रहा है। इसलिये अपीलार्थीगण व अन्य गांव के वाशिंदगान द्वारा ट्रैक्टरों आदि से जोहड में गिराई गई मिटटी का हटाते हुए दोनो जोहडों में गांव की गलियों व घरों में से इकटठे हुए पानी को डालना चाहता तो प्रत्यर्थी नम्बर 2 ता 19 वहां आये तथा अपीलार्थीगण व गांव के अन्य वाशिंदगान को मिटटी हटाने से रोकते हुए इस पानी को निकालने से रोका, जिस पर अपीलार्थीगण व गांव के अन्य वाशिंदगान द्वारा उक्त जगह को जोहड की भूमि होना व इस जगह में सदा से ही बरसाती पानी इकटठा होने का हवाला दिया तो प्रत्यर्थीगण नम्बर 2 ता 19 ने इस जगह के अपने अपने नाम के पट्टे बना रखे होना कहते हुए प्रत्यर्थी संख्या 2 ता 8 ने पट्टो की नकल अपीलार्थीगण व उपस्थित गांव के अन्य वाशिंदगान को दी। प्रत्यर्थी संख्या 2 ता 8 द्वारा दी गई पट्टो की प्रतियों के अवलोकन से पता चला कि प्रत्यर्थी संख्या 1 ने प्रत्यर्थी संख्या 2 ता 6 के पक्ष में अलग अलग समय में ऊपर वर्णित मुसानी जोहडी व आर्य समाज जोहड जिसको वर्तमान में स्वामी दयानन्द पार्क के नाम से जाना जाता है, की भूमि पर के अलग अलग माप में पट्टे जारी कर रखे हैं तथा प्रत्यर्थी से 9 ता 19 ने अपने अपने नाम से प्रत्यर्थी संख्या 1 द्वारा पट्टे जारी होना बताया है और उक्त पट्टों के आधार पर ही प्रत्यर्थी संख्या 2 ता 19 द्वारा जोहड की भूमि पर मिटटी भर्ती कर रखी है जिससे उक्त दोनो में क्षमतानुसार पानी भण्डारण नहीं होने से बरसाती पानी गांव की गलियों व घरों में घुस रहा है, जिस पर अपीलार्थीगण व उपस्थित शेष वाशिंदगान द्वारा प्रत्यर्थी संख्या 2 ता 19 को उक्त पट्टे जोहड की भूमि पर होने से खारिज करवाने व जोहड की भूमि पर की गई मिटटी भर्ती को हटा लेने का कहा तो प्रत्यर्थी संख्या 2 ता 19 इन्कार कर दिया तथा अपीलार्थीगण व अन्य गांव के वाशिंदगान को यह धमकी दी की उक्त पट्टो के आधार पर वे जल्द ही पुख्ता निर्माण करेगे, बरसाती पानी भण्डारण से उक्त बरसाती पानी से गांव के घर डुबने



से उनको कोई सरोकार नहीं है अपीलार्थीगण को जो मन में आये वो करे, जिस पर समस्त ग्रामवासियों द्वारा गांव में पंचायत कर प्रत्यर्थी संख्या 2 ता 19 पट्टे जोहड़ की भूमि पर होने से उक्त पट्टों को खारिज करवाने हेतु प्रत्यर्थी संख्या 1 के समक्ष निवेदन किया गया तो प्रत्यर्थी संख्या 1 ने पट्टा को खारिज करवाने से इन्कार कर दिया। जिस पर समस्त ग्रामवासियों द्वारा उक्त पट्टों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने बाबत सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया है। अपीलाधीन पट्टे मुसानी जोहड़ी व आर्य समाज की भूमि पर जारी है। उक्त दोनों जोहड़ की भूमि सार्वजनिक हित की है, जिसका ग्राम पंचायत को पट्टा जारी करने का अधिकार नहीं है तथा अपीलाधीन पट्टे पुराने ग्रह के विनियमितकरण के तहत नियम 157 के तहत जारी होना अंकित है जबकि यह भूमि जोहड़ की भूमि है। जिसमें पानी का भण्डारण होता रहा है। पट्टा धारकों का कभी कब्जा या निर्माण नहीं रहा है। इसलिये नियम 157 के तहत पट्टे जारी नहीं किये जा सकते हैं। प्रत्यर्थी नम्बर 1 द्वारा कुछ पट्टे आबादी भूमि विक्रय विलेख के तहत नियम 167 में जारी होना अंकित किया है जबकि उक्त भूमि जोहड़ की भूमि है, जो सार्वजनिक उपयोग की है। इसलिये किसी व्यक्ति विशेष के नाम से निलामी या अन्य तरह से विक्रय नहीं किये जा सकते हैं। प्रत्यर्थी संख्या 1 द्वारा प्रत्यर्थी संख्या 2 ता 47 के पक्ष में पट्टे जारी कर दिये जाने से प्रत्यर्थी संख्या 2 ता 47 जोहड़ में जाने वाले पानी को रोक रहे हैं तथा ग्रामवासियों की उक्त जोहड़ की खुड़ करने व उक्त जोहड़ के सार्वजनिक हेतु किये जाने वाले कार्य को भी पट्टों के आधार पर रोक रहे हैं। इसलिये इन पट्टों को खारिज किया जावे।

राजस्थान पंचायत राज अधिनियम सन 1994 की धारा 61 (1) के अन्तर्गत पेश अपील को दर्ज की जाकर पक्षकारान को सुनवाई हेतु नोटिस जारी किये गये तो आवेदकगण प्रार्थीगण रेस्पोंडेन्टस ने अपना जवाब नोटिस प्रस्तुत किया कि ग्राम पंचायत फेफाना द्वारा आवेदकगण प्रार्थीगण नम्बर 1 ता 3 के पक्ष में व अन्य के पक्ष में आबादी भूमि में जारी किये गये भूमि विक्रय विलेख (पट्टा) दिनांक 14.11.1981 पर आपत्ति की गई। इस सम्बन्ध में निवेदन है कि तीनों रेस्पोंडेन्ट संयुक्त रूप से अपना पक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं रेस्पोंडेन्ट आवेदकगण के पट्टों के खिलाफ एक अपील संख्या 16/2004 अनवानी हेतराम आदि बनाम आनन्दप्रकाश आदि पंचायत समिति नोहर में प्रस्तुत की थी जिसका निर्णय दिनांक 26.12.2008 को हो चुका है, जिसमें उक्त निर्णय में पंचायत समिति नोहर ने ग्राम पंचायत द्वारा जारी भूमि विलेख पत्र में आवेदकगण नम्बर 1 व 3 के पक्ष में जारी पट्टे दिनांक 11.11.1981 व 14.11.1988 एवं 08.11.1999 को आबादी भूमि में विधि सम्मत मानते हुए बहाल रखा है तथा अपील संख्या 16/2004 को खारिज कर दी गई तथा इसी प्रकार आवेदक नम्बर 2 प्रार्थी के जारी पट्टा दिनांक 14.11.1981 व दिनांक 08.11.



1999 के खिलाफ अपील संख्या 7/2002 अनवानी मनोजकुमार बनाम वेदप्रकाश आदि प्रस्तुत की जो अपील पंचायत समिति नोहर ने दिनांक 26.12.2008 खारिज फरमा दी गई तथा ग्राम पंचायत फेफाना द्वारा जारी पट्टे को विधि सम्मत माना है तथा उक्त अपील में अपीलांट मनोजकुमार इस अपील संख्या 7/2025 में अपीलांट नम्बर 9 है तथा उसको समस्त ज्ञान होते हुए अपीलांटस अनावेदकगण ने 44-45 साल बाद प्रस्तुत की है जो अन्दर मियाद नहीं है इसके अलावा मौका पर भूखण्डों के चारों तरफ चार दीवारी 10 फुट उंची चार दीवानी 50 X 20 के दो मकान बने हुए पानी की कुण्ड, बिजली एवं पानी के कनेक्शन चालू है तथा बिजली का कनेक्शन दिनांक 01.01.2000 से चालू है, जो कार्यालय सहायक अभियन्ता की रिपोर्ट दिनांक 17.12.2025 से साबित है इसके अलावा उदराम पुत्र तारूराम के पटा 50 X 90 = 4500 वर्गफुट दिनांक 14.11.1981 व 08.11.1999 को ग्राम पंचायत में जारी है। पंचायत समिति अपने निर्णय दिनांक 26.12-2008 में विधि सम्मत बहाल माना है, जिसको उदराम पुत्र तारूराम ने अपनी पुत्री उर्मिलादेवी के पक्ष में दिनांक 06.12.2019 को दान पत्र कर दिया है तथा अब उक्त प्लॉट भूखण्ड उर्मिला देवी के उपयोग उपभोग में चला आ रहा है, मगर मातहत अदालत ने आवेदकगण ने जब यह जवाब नोटिस दिया था कि इन प्रश्नगत प्लॉटों के बाबत पूर्व में निर्णय पंचायत समिति द्वारा दिनांक 26.12.2008 में किये जा चुके हैं तो फिर उक्त निर्णयों का अपने निर्णय दिनांक 29.10.2025 में कोई उल्लेख ना कर नियम विरुद्ध निर्णय पारित किया है तथा रेसज्यूडीकेटा के सिद्धान्त की अवहेलना करते हुए निर्णय पारित किया है तथा अपीलांट अनावेदकगण नम्बर 3 ता 11 ने राजनैतिक दृष्टता से वंशीभूत होकर अपील पंचायत समिति में समस्त तथ्य छुपाकर प्रस्तुत की है तथा प्रशासन एवं स्थापना स्थाई समिति पंचायत समिति नोहर ने विधि विरुद्ध मौका रिपोर्ट जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों की अवहेलना में तैयार की है तथा एकतरफा मौका रिपोर्ट के आधार पर आवेदकगण प्रार्थीगण नम्बरी 1 ता 3 के पट्टे दिनांक 14.11.1981 एवं व 08.11.1999 व 11.11.1981 को अपने निर्णय दिनांक 29.10.2025 प्रस्ताव संख्या 1 (32) के आधार पर नियम विरुद्ध खारिज किये गये हैं। ग्राम पंचायत के अधिकार की सार्वजनिक जोहडो की व सडक की भूमि घोषित किया है, जिससे आवेदकगण प्रार्थीगण को अपूर्ण्य क्षति होती है जिससे आवेदकगण प्रार्थीगण यह निगरानी निर्णय दिनांक 29.10.2025 बअदालत मातहत को निरस्त करवाने हेतु तथा आवेदकगण के पक्ष में जारी पट्टो को बहाल करवाने बाबत यह निगरानी निम्नलिखित आधारों पर प्रस्तुत करते हैं।

निर्णय दिनांक 29.10.2025 बअदालत मातहत बखिलाफ कानून, नियम व वाक्यात एवं रुदाद मिसल है तथा विधि की भंयकर अवहेलना में पारित किया है तथा काबिल मन्सूखी है।




अतिरिक्त जिला कलक्टर
नोहर (हनुमानगढ़)

2. मातहत अदालत ने आवेदकगण प्रार्थीगण के जवाब नोटिस पर कोई गौर नही किया है जिसमें उन्होंने अपने पक्ष में जारी पटटे दिनांक 14.11.1981, 11.11.1981, व 08.11.1999 को पंचायत समिति ने अपने दिनांक 26.12.2008 में विधि सम्मत मानते हुए बहाल रखा है मगर मातहत अदालत ने अपने दिनांक 29.10.2025 में कोई हवाला इस निर्णय का नही दिया है तथा निर्णय दिनांक 29.10.2025 बअदालत कतई मनमाना, स्वैच्छाचारी व नियम विरुद्ध है तथा काबिल निरस्तनीय है।
3. मातहत अदालत ने इस मौका रिपोर्ट को अपने निर्णय का आधार माना है तथा मौका रिपोर्ट मौका की स्थिति के खिलाफ है जबकि वास्तविकता यह है कि उक्त आवेदकगण नम्बर 1 ता 3 के चारों तरफ चार दीवारी बनी हुई है तथा मकान बने हुए है तथा पानी का कनेक्शन व बिजली का कनेक्शन चालू है तथा आवेदक नम्बर 3 के नाम से दिनांक 01.01.2000 से विधुत कनेक्शन चालू है तथा उक्त प्लॉट सन 1981 व सन 1999 को मौका की स्थिति के अनुसार जांच कर नियमानुसार ग्राम पंचायत द्वारा जारी किये गए है, को मातहत अदालत को खारिज करने का आदेश पारित करने का अधिकार नहीं था फिर भी मातहत अदालत ने अपने निर्णय दिनांक 29.10.2025 में आवेदकगण के पटटे को निरस्त कर कानूनी गलती है तथा निर्णय दिनांक 29.10.2025 प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्त के खिलाफ है तथा काबिल अपास्तनीय है।
4. मातहत अदालत ने अपने निर्णय में मौका रिपोर्ट जो प्राकृतिक न्याय व सहज के खिलाफ है को आधार मानकर मौका पर मिट्टी भरती होना बताया जबकि मौका पर पक्का निर्माण बीस सालो से ज्यादा समय से है पुराना निर्माण है इसी आधार पर ग्राम पंचायत के प्रावधान के अनुसार आवेदकगण नम्बर 1 ता 3 को पटटे विधि सम्मत जारी किये थे जबकि जोहड के पटटे 500 X 250 फुट का कोई रिकार्ड ग्राम पंचायत में नहीं है, केवल पंचायत समिति प्रशासन व स्थापना स्थाई सकितत नोहर राजनैतिक पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर यह निर्णय जल्दीबाजी में पारित किया है, जो एम्बीग्यूस व वेग है तथा बिना किसी सही आधार पर सहज न्याय के खिलाफ है तथा निर्णय दिनांक 29.10.2025 इसी आधार पर काबिल खारिजी है।
5. मातहत अदालतने अपने निर्णय दिनांक 29.10.2025 जो प्रस्ताव संख्या 1 (32) के आधार पर पारित किया है तथा आवेदकगण के विधि सम्मत पटटे सन 1981 व सन् 1999 को जब पंचायत समिति द्वारा 26.12.2008 में विधि सम्मत मानते हुए बहाल रखा है तो अपने उक्त निर्णय में जब आवेदकगण प्रार्थीगण जवाब नोटिस के साथ निर्णय दिनांक 26.12.2008 पेश किया था तो उसका हवाला नही दिया है, उस पर कोई राय व फाईडिंग नही देकर रेसज्यूडीकेटा के सिद्धान्त की अवहेलना में निर्णय दिनांक



29.10.2025 पारित किया है तथा साथ में आवेदकगण के पट्टे शुदा भूखण्ड को सार्वजनिक ग्राम पंचायत भूमि व सडक की मानने का आदेश पारित कर कानून के मान्य सिद्धान्तों की अवहेलना करते हुए उक्त निर्णय व आदेश पारित किये हैं, जो किसी भी प्रकार बहाल नहीं रखे जा सकते हैं, तथा निर्णय दिनांक 29.10.2025 बअदालत मातहत इस आधार पर काबिल मन्सूखी है।

6. निर्णय दिनांक 29.10.2025 बअदालत मातहत निर्णय की परिभाषा में नहीं आता है तथा उक्त निर्णय पारित करते समय अधीनस्थ न्यायालय अपना न्यायिक स्व-विवेक काम नहीं लिया है, कानून के मान्य सिद्धान्तों को अनदेखा करते हुए पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों के तहत विधि सम्मत पट्टे बहक आवेदकगण खारिज करने में प्राकृतिक न्याय व सहज न्याय के सिद्धान्तों की अवहेलना में पारित किया है जो कानून की दृष्टि निर्णय व आदेश नहीं माने जा सकते हैं तथा ना ही किसी तरीके से बहाल रखे जा सकते हैं तथा ना ही किसी तरीके से बहाल रखे जा सकते हैं तथा निर्णय दिनांक 29.10.2025 इसी आधार पर काबिल निरस्तनीय है।

7. मातहत अदालत ने इस कानूनी बिन्दू पर कतई गौर नहीं किया कि उक्त अपील अपीलाटस अनावेदकगण कतई अन्दर मियाद नहीं थी इस अपील में विधि सम्मत पट्टे बहक आवेदकगण सन 1981 व 1999 को खारिज करने से पहले मियाद के बिन्दु पर कोई निर्णय पारित नहीं किया है, पहले अपील का निर्णय नहीं किया जा सकता है जबकि उक्त पट्टे शुदा भूखण्ड बाबत जारी पट्टों का अपीलाटस आवेदकगण को शुरू से ज्ञान है तथा उक्त अपील अपीलाट नम्बर 9 मनोजकुमार पुत्र श्री वेदप्रकाश ब्राह्मण ने उक्त पट्टों के खिलाफ पंचायत समिति में अपील प्रस्तुत की थी, जिनका निर्णय दिनांक 26.12.2008 को हो चुका है। मनोजकुमार अपीलाट नम्बर 9 की अपील खारिज कर उक्त प्रश्नगत पट्टे बहक आवेदकगण बहाल रखे थे मगर मातहत अदालत ने इतने महत्वपूर्ण बिन्दू पर कोई गौर ना कर राजनैतिक द्वेषता से वंशीभूत कर जल्दीबाजी में नियम विरुद्ध निर्णय दिनांक 29.10.2025 पारित किया है, जो काबिल निरस्तनीय है।

अतः निगरानी आवेदकगण स्वीकार किया जाकर निर्णय दिनांक 29.10.2025 जो प्रस्ताव संख्या 1 (32) के आधार पर पारित किया है, को निरस्त फरमाया जावे तथा उक्त निर्णय के आधार पर पारित आदेश को निरस्त करते हुए आवेदकगण नम्बर 1 ता 3 के पक्ष में पारित विधि सम्मत पट्टा दिनांक 11.11.1981 बहक आवेदक नम्बर 1 व पट्टे दिनांक 14.11.1981 व 08.11.1999 बहक आवेदक नम्बर 2 तथा पट्टे दिनांक 14.11.



अतिरिक्त जिला कलक्टर,
नोहर (हनुमानगढ़)

1981 व 08.11.1999 बहक आवेदक नम्बर 3 को बहाल रखे जाने का आदेश सादिर फरमाया जावे।

निगरानी पेश होने पर दर्ज रजिस्टर की गई। अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थी संख्या-01 अधीनस्थ न्यायालय से निगरानीधीन निर्णय की मूल पत्रावली तलब की गई। अप्रार्थी संख्या -01 की ओर से श्री रोहिताश सिहाग एडवोकेट उपस्थित हुए। अप्रार्थी संख्या-02 बाद तामिल उपस्थित नही हुए। अप्रार्थी संख्या 3, 5ता 9, 12, 13 की ओर से श्री रविन्द्र गोदारा एडवोकेट उपस्थित हुए। अप्रार्थी संख्या-4, 10, 11 के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई। अधिवक्ता प्रार्थीगण द्वारा लिखित बहस पेश की की गई।

अधिवक्ता अप्रार्थीगण द्वारा अपनी बहस में निवेदन किया गया कि न्यायालय निगरानी में गुणावगुण के आधार पर निर्णय पारित करे।

अधिवक्ता अप्रार्थी संख्या-01 द्वारा बहस में कथन किया गया कि न्यायालय अध्यक्ष प्रशासन एवं स्थापना स्थाई समिति, पंचायत समिति नोहर द्वारा सार्वजनिक हित में निर्णय पारित किया गया है, जो सही है। अतः निगरानी खारिज की जावे।

अधिवक्ता उभयपक्ष की बहस एवं अधीनस्थ न्यायालय की तलबशुदा मूल पत्रावली का अध्ययन किया गया। पत्रावली का अध्ययन करने पर पाया कि अधीनस्थ न्यायालय पंचायत समिति नोहर द्वारा दिनांक 29.10.2025 को पारित निर्णय में अंकित किया कि "ग्राम पंचायत फेफाना द्वारा जारी पट्टे सार्वजनिक उपयोग की भूमि व रास्ता की भूमि पर होने के कारण खारिज किया जाता है व मौका निरीक्षण कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार उक्त सार्वजनिक जोहड़ो की भूमि व रास्ता आम की भूमि पर से अतिक्रमण हटाने हेतु ग्राम पंचायत को आदेशित किया गया जाता है तथा साथ ही सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर उपर वर्णित पट्टो के अलावा अन्य कोई पट्टा जारी है तो व पट्टा इस निर्णय अनुसार खारिज समझा जावे मौका निरीक्षण कमेटी द्वारा पेश नक्शा अनुसार जगह को ग्राम पंचायत के अधिकार की सार्वजनिक जोहड़ो की व सड़क की भूमि घोषित किया जाता है"।

अधीनस्थ न्यायालय द्वारा दिनांक 29.10.2025 को पारित निर्णय में सार्वजनिक उपयोग व रास्ता की भूमि पर ग्राम पंचायत फेफाना द्वारा जारी पट्टों को खारिज किया गया। न्यायालय के मत में अधीनस्थ न्यायालय पंचायत समिति नोहर द्वारा दिनांक 29.10.2025 को पारित निर्णय सार्वजनिक हित में है। अतः न्यायालय पंचायत समिति नोहर के निर्णय के हस्तक्षेप किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है। अतः निगरानीकर्ता




प्रकरण संख्या-03/2026 अनवान- आनंद प्रकाश आदि बनाम प्रशासन एवं स्थापना स्थाई समिति,
पंचायत समिति नोहर

की निगरानी खारिज योग्य होने से खारिज की जाती है। पत्रावली फ़ैसलाशुमार होकर
नंबर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

यह निर्णय मेरे द्वारा लिखवाया जाकर आज दिनांक 21/4/26 को सरेइजलास
सुनाया गया।




(संजू पारीक आर.ए.एस.)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर
अतिरिक्त जिला कलेक्टर
नोहर (हनुमानगढ़)